मूसलाधार बारिश से प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात

राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, अलवर, करौली, गंगापुरसिटी, हिण्डौन, चौमूं सहित कई शहरों व गांवों में तेज बरसात हुई

पांचना बांध के छह गेट खोलकर गम्भीर नदी में 35 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा

भरतपुर, (निसं)। अधिक वर्षा के कारण करौली जिले से निकलने वाली गम्भीर नदी में पांचना बांध से छह गेट खोलकर 35 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके चलते जिले के बयाना एवं रूपवास तहसील के गम्भीर नदी के तटीय क्षेत्र में बसे गांवों के नागरिकों को इस दौरान नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई है।

जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित यादव ने बताया कि गम्भीर नदी में पांचना बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नदी के तटीय क्षेत्रों में बसे गांवों के नागरिकों को सावचेत रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सम्बंधित गांवों में स्थानीय पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से लोगों को सूचित कर पानी के तेज बहाव को देखते हुए नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने के लिए पाबंद किया है। उन्होंने बताया कि लगातार वर्षा की चेतावनी को देखते हुए नदी के तटीय क्षेत्र के सभी गांवों को अपने पशुधन को भी नदी के आसपास नहीं छोड़ने की अपील की है। उन्होंने आमजन को नदी के बहाव क्षेत्र में पानी की आवक को देखते हुए संसाधनों को बहाव क्षेत्र से हटाने, महिलाओं, बच्चों को इस दौरान नदी के आसपास नहीं जाने देने के लिए आह्वान किया है। जिला कलेक्टर ने लगातार बरसात की चेतावनी एवं गम्भीर नदी में पांचना बांध से पानी छोड़े जाने को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम, जल संसाधन विभाग, पंचायतीराज विभाग, चिकित्सा विभाग एवं उपखण्ड प्रशासन रूपवास एवं बयाना को मय आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं।

पांचना बांध से पानी छोड़ने से गम्भीर नदी में पानी की आवक हुई।

- बयाना एवं रूपवास तहसील के गम्भीर नदी के तटीय क्षेत्र में बसे गांवों के नागरिकों को नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील
- एसडीआरएफ की टीम, जल संसाधन विभाग, पंचायतीराज विभाग, चिकित्सा विभाग एवं उपखण्ड प्रशासन रूपवास एवं बयाना को मय आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश

अधीक्षण अभियंता जल संसाधन देवीसिंह बेनीवाल ने बताया कि गम्भीर नदी में पानी की अधिक आवक होने पर तहसील बयाना के चीखरू, पीपरिया, धुरेरी, मावली, महरावर, नहरौली, चक बीछी, सिंघाडा, शीदपुर, नदी का गांव प्रभावित होंगे तथा तहसील रूपवास में दाहिना गांव, महलपुर काछी, मुर्रिका, कांधौली, दौलतगढ़, सिकरौदा, पिचूना, रसीलपुर, मिल्सवां, देवरी, पांड्री, मैरथा गांव प्रभावित होंगे।

अधीक्षण अभियंता जल संसाधन देवीसिंह बेनीवाल ने बताया कि अजान बांध के पास बसे हुए गांव सैदपुरा, हरिनगर, नगला कल्यानपुर, अघापुर, अजान इत्यादि में भी आमजन को सतर्क रहने हेतु स्थानीय कार्मिकों के माध्यम से मुनादी करा दी गई है। उन्होंने बताया कि नदी, कैनाल के बहाव में निर्मित रपट-नदीगांव-सालाबाद रोड पर नदीगांव के पास स्थित, चौखण्डा लहचोरा मार्ग, सेवला, सीदपुर-बयाना मार्ग, बयाना थानाडांग रोड (गऊ घाट), ईटखेड़ा-चीखरू मार्ग पर आमजन एवं स्कूली बच्चों को नदी पार नहीं करने के लिए आगाह किया गया है।

भरतपुर में तीन इंच बारिश दर्ज, घरों में दो फीट तक पानी भरा

भरतपुर में भारी बारिश से दर्जनों कॉलोनियों में पानी भर गया।

भरतपुर, (निसं)। पिछले तीन दिनों से बरसात का दौर जारी है। बरसात के चलते जन जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। बताया गया है कि रविवार को करीब तीन इंच बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश की संभावना को देखते हुए जिला कलेक्टर ने कक्षा एक से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के समस्त राजकीय व निजी स्कूलों में एक दिन का अवकाश घोषित किया है।

शहर की दर्जनों कॉलोनियां जलभराव की समस्या से जूझ रही हैं। कई कॉलोनियों में बरसात के चलते जलभराव के कारण बरसात का पानी घरों में दो-दो फीट तक घुस गया। नगर निगम के आयुक्त के निर्देश पर कई कॉलोनियों में पम्प लगाकर पानी निकालने की कवायद की जा रही है। बरसात से शहर के निचले क्षेत्रों में सूरजमल नगर, श्याम नगर, राम नगर, रूंधिया नगर, वासन गेट नमक कटरा, सुभाष नगर, विजय नगर, नीमदा गेट, अटल बंद, सिमको लेवर कॉलोनी व शहर के बाजार में सभी जगह पानी से सड़कें नदी के समान नजर आ रही हैं। जिन घरों में जमीन से पानी निकला उन घरों में खाना बनाने तक की जगह नहीं बची। बच्चे भयभीत हो गये। बच्चों की किताबें पानी से भीग गई। अधिकांश घरों में पानी को निकालने के लिए टिल्लू व मोटर्स से निकाल रहे थे। वहीं नगर निगम आयुक्त व सीएसआई ने मौका मुआयना किया।

बारिश के बाद मकान ढहा, पिता-पुत्र की मौत

करौली, (निसं)। करौली क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश के कारण करौली शहर में करीब आधा दर्जन मकान, दुकान,भवन और दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। मकान के ढहने से पिता-पुत्र की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल में भर्ती कराया है। जबकि मृतकों के शव कर पोस्टमार्टम परिजनो के सुपुर्द कर दिया। सूचना पर सिविल डिफेंस और पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी और क्षतिग्रस्त घर में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

करौली शहर चौकी प्रभारी महेश शर्मा ने बताया कि नदी दरवाजा क्षेत्र स्थित फराजपाड़ा में सुबह करीब 5:30 बजे एक पुराने मकान में बनी नाली दीवार सहित दूसरे मकान पर गिर गई, जिससे घर की छत की पट्टियां टूट गई और वहां सो रहे लोग दब गए। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और घर में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इस दौरान पुलिस चौकी पर भी सूचना दी। घायल लोगों को करौली अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद जाकिर पुत्र छोटे और जिया पुत्र जाकिर को मृत घोषित कर दिया, जबकि राशिद पुत्र सईद और शौकीन का करौली अस्पताल में उपचार चल रहा है। बारिश के कारण इसी प्रकार बड़ी हटरिया क्षेत्र स्थित भट्टन की गली में एक दीवार गली के दूसरी ओर स्थित निजी स्कूलों पर जा गिरी। जिससे स्कूल भी क्षतिग्रस्त हो गया और रास्ता अवरुद्ध हो गया। छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। इसी प्रकार चीकना फर्श क्षेत्र में अनुपयोगी पड़ी नंबर 6 स्कूल का भवन क्षतिग्रस्त हो गया। चौबेपाड़ा के नीचे एक मकान क्षीतग्रस्त हो गया घर क्षतिग्रस्त होने से मलबे में दो-तीन मोटरसाइकिल भी दब गई। इसी प्रकार चौधरी पाड़ा क्षेत्र में एक दुकान की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई।

अलवर में लगातार हो रही बारिश ने 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

विश्व प्रसिद्ध सिलीसेढ बांध में 25 फीट पानी आ चुका है, इस बांध की भराव क्षमता 28 फीट है

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में लगातार हो रही बारिश ने करीब 20 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है जिले में चारों तरफ नदी-नालों में उफान है। सरिस्का क्षेत्र व अरावली की पहाड़ियों पर हुई भारी बरसात ने अलवर जिले की इस मानसून की भरपाई कर दी है। प्रशासन व पुलिस अलर्ट मोड पर आ चुके हैं। लोगों को जल बहाव क्षेत्र पर जाने से पुलिस रोक रही है ताकि कोई अनहोनी ना हो जाए। अभी अलवर को मौसम विभाग ने यलो अलर्ट घोषित किया हुआ है। अगले तीन-दिन और भारी बारिश के संकेत दिए गए हैं। अगर ऐसी ही बारिश हो गई तो अलवर में तबाही भी आ सकती है।

अलवर के बांध और तालाब पिछले कई सालों से सूखे पड़े थे। थोड़ी मात्रा में सिलीसेढ में पानी मौजूद रहा। ऐसे में पेयजल के सभी श्रोत सूख चुके थे जिसका नतीजा हर साल पानी के लिए जनता हाहाकार करती थी। अब इतना पानी तालाबों और बांधों में आ चुका है जिससे अलवर की जनता को आगामी पांच साल पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। अलवर की वो नदियां इस बार कलकलाती बह निकली जिनमें बीस सालों से कभी पानी आया तक नहीं, वहीं पूर्व कलेक्टर जितेन्द्र सोनी और सिंचाई विभाग के एक्सईएन संजय खत्री की पहल पर जयसाबंध झील पर किए अतिक्रमण को हटाने से इस बांध में इस बार पानी की अच्छी आवक हो रही है। अब तक इस बांध में साढे आठ फीट पानी आ चुका है, इसकी भराव क्षमता 23 फीट है। वहीं विश्व प्रसिद्ध सिलीसेढ बांध में 25 फीट पानी आ चुका है। इस बांध की भराव क्षमता 28 फीट है। सिंचाई विभाग के एक्सईएन संजय खत्री ने बताया कि अगर ऐसे ही बारिश हुई तो जल्दी ही सिलीसेढ में काफी सालों बाद चादर चल सकती है।

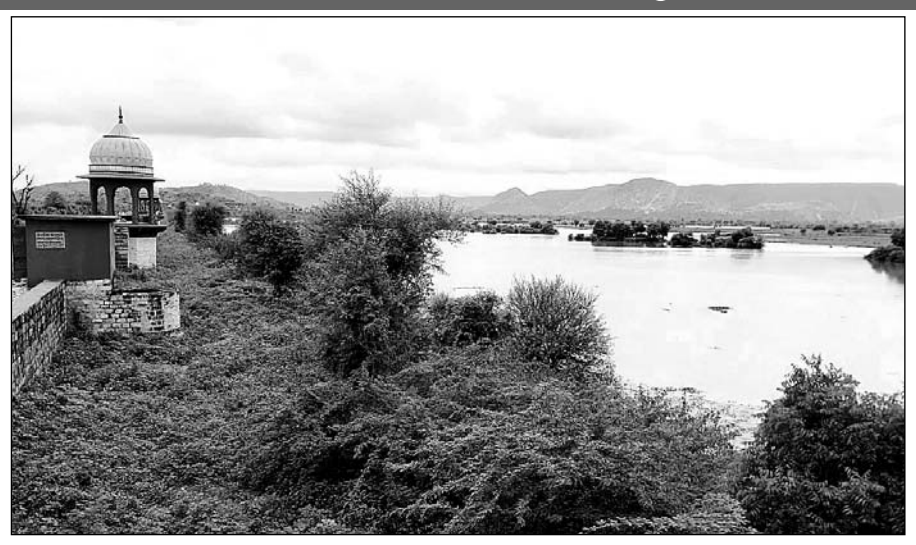

बरसात होने से अलवर के बांधों में पानी की आवक हुई।

- भारी बारिश से अलवर में नदी-नालों में उफान आया, दो बांध ओवरफ्लो हुये
- अलवर में यलो अलर्ट के चलते पुलिस व प्रशासन ने अनहोनी के डर से नदी-नालों पर सैलानियों को जाने से रोका

जबकि जिले में दो बांध जेतपुर और मानसरोवर ओवर फ्लों हो चुके हैं। जबकि रूपारेल नदी में पानी का बहाव सात से आठ फीट चल रहा है। शाम पांच बजे तक सिलीसेढ में 44एमएम बारिश दर्ज की गई। रविवार के दिन छुट्टी का आनंद लेने लोग पिकनिक मनाने सिलीसेढ, जयसाबंध, सागर और किशनकुण्ड पर भारी संख्या में देखे गए। वहीं भारी बरसात के चलते पुलिस प्रशासन ने लोगों बहाव क्षेत्रा पर जाने से रोक लिया।

करौली में लोगों ने छतों पर जाकर जान बचाई

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय पर लगातार दूसरे दिन मूसलाधार बारिश का कहर जारी रहा। इस दौरान शहर कि करीब एक दर्जन गली, मोहल्ले और कॉलोनियों में जल भराव हो गया। इस दौरान करीब तीन दर्जन लोगों को सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। प्रात: चार बजे शुरू हुआ बारिश का दौर दोपहर लगभग बारह बजे तक जारी रहा।

झमाझम बारिश के चलते करौली के रणगमा तालाब, इमली वाला ताल और बड़ वाले तालाब भी ओवरफ्लो होकर बहने लगे। ओवरफ्लो का पानी करौली शहर के मंडरायल रोड स्थित पुलिया के पास कई कॉलोनियों के घरों में घुस गया, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने घरों छत पर पहुंच कर अपनी जान बचाने के लिए मजबूर होना पड़ा।सूचना पर सिविल डिफेंस और स्थानीय लोगों ने रामद्वारा क्षेत्र, बग्गी खाना,पावर हाउस, वीर हनुमान क्षेत्र से रेस्क्यू का सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा। इसी प्रकार तीन दरवाजा क्षेत्र स्थित आलोक शर्मा अपने परिवार के साथ जल भराव के चलते पाटौरपोश घर की छत पर फंस गए। करीब 3 घंटे बाद स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्यूब और रस्सी की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना पर सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची और परिवार को सुरक्षित पहुंचाया।

कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, एएसपी शंकर लाल मीणा सहित अन्य पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर घटनाक्रम की जानकारी ली है। जल भराव से प्रभावित लोगों को ट्रक यूनियन स्थित बालिका विद्यालय, महात्मा गांधी मॉडल स्कूल गणेश गेट एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर सात में ठहरने के लिए प्रबंध किए।

तीन दर्जन लोगों को सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

- करौली में बारिश का कहर जारी

गंगापुर सिटी में सड़कों पर चार फीट तक पानी भरा

गंगापुर सिटी, (निसं)। जिला मुख्यालय क्षेत्र में मेघों ने जमकर मल्हार गाया। यहां शनिवार रातभर से रुक-रुककर बारिश का दौर शुरू हुआ जो दूसरे दिन रविवार दोपहर तक जारी रहा। बारिश से शहर में सड़कों पर घुटनों तक पानी हो गया। वहीं गांवों में खेत भी लबालब हो गए। रविवार सुबह 8 बजे तक तो रिमझिम बारिश होती रही लेकिन इसके बाद तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। बारिश के कारण शहर की अधिकांश कॉलोनियों और सड़कों पर बारिश का काफी मात्रा में पानी भर गया। नया बाजार में तो दरिया जैसी स्थिति दिखाई थी। तहसील कानूनगो राजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि गंगापुर सिटी क्षेत्र में रविवार सुबह 8 बजे 11 मिमी बारिश दर्ज की गई, लेकिन इसके बाद ही जोरदार बारिश होने लगी और बारिश का यह दौर करीब 11 बजे तक जारी रहा। इसके बाद रुक-रुककर बारिश होती रही। इसे एक दिन पहले शनिवार को करीब 3 इंच बारिश हुई थी। क्षेत्र में एक जून से अब तक 648 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। गंगापुर सिटी में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया हुआ है। एक सप्ताह से जिले में चल रही बरसात से जन जीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केंन्द्रीकृत रोजगार सूचना संख्या 04/2024

सांकेतिक सूचना

पेरामेडिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों की भर्ती

नीचे दी गई तालिका में पेरामेडिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16.09.2024 है। आवेदन (सभी तरह से पूर्ण) केवल ऑनलाइन ही जमा किया जाना चाहिए।

आवेदन आरंभ होने की तिथि: 17.08.2024
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 16.09.2024

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	प्रारंभिक वेतन (₹)	चिकित्सा मानक	01.01.2025 को आयु	कुल रिक्तियां (सभी आरआरबी)
डाइटिशियन (लेवल 7)	7	44900	C2	18–36	05
नर्सिंग अधीक्षक	7	44900	C1	20–43	713
ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच थेरेपिस्ट	6	35400	B1	21–33	04
क्लिनिकल साइको लोजिस्ट	6	35400	B1	18–36	07
डेंटल हाईजिनिस्ट	6	35400	C2	18–36	03
डाईलिसिस टेक्नीशियन	6	35400	B1	20–36	20
स्वास्थ्य एवं मलेरिया निरीक्षक ग्रेड II	6	35400	C1	18–36	126
लेबोरेटरी अधीक्षक	6	35400	B1	18–36	27
परफ्यूसिनिस्ट	6	35400	B1	21–43	02
फिजियोथेरेपिस्ट ग्रेड II	6	35400	C1	18–36	20
ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट	6	35400	C1	18–36	02
कैथ लेबोरेटरी टेक्नीशियन	6	35400	B1	18–36	02
फार्मासिस्ट(एंट्री ग्रेड)	5	29200	C2	20–38	246
रेडियोग्राफर एक्स–रे टेक्नीशियन	5	29200	B1	19–36	64
स्पीच थेरेपिस्ट	5	29200	B1	18–36	01
कार्डियक टेक्नीशियन	4	25500	B1	18–36	04
ऑप्टोमेट्रिस्ट	4	25500	B1	18–36	04
ईसीजी टेक्नीशियन	4	25500	C1	18–36	13
लेबोरेटरी सहायक ग्रेड II	3	21700	B1	18–36	94
फील्ड वर्कर	2	19900	C2	18–33	19
			कुल योग		1376

इसमें कोविड–19 महामारी के कारण एक बार के रूप में निर्धारित आयु सीमा से परे 3 वर्ष की छूट शामिल है"।
कृपया विस्तृत जानकारी के लिए आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध सीईएन 04/2024 देखें।

सीईएन 04/2024 में भाग लेने वाले आरआरबी की वेबसाइटें

अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in	चेन्नई www.rrbchennai.gov.in	मुजफ्फरपुर www.rrbmuzaffarpur.gov.in
अजमेर www.rrbajmer.gov.in	गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in	पटना www.rrbpatna.gov.in
बेंगलुरु www.rrbbnc.gov.in	गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in	प्रयागराज www.rrbald.gov.in
भोपाल www.rrbbhopal.gov.in	जम्मू–श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in	रांची www.rrbranchi.gov.in
भुबनेश्वर www.rrbbbs.gov.in	कोलकाता www.rrbkolkata.gov.in	सिकंदराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in
बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in	मालदा www.rrbmalda.gov.in	सिलीगुड़ी www.rrbsiliguri.gov.in
चंडीगढ़ www.rrbcdg.gov.in	मुंबई www.rrbmumbai.gov.in	थिरुवानान्थापुरम www.rrbthiruvananthapuram.gov.in

यह अधिसूचना पूर्णत सांकेतिक प्रकार का है। उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सीईएन 04/2024 की पोस्ट पैरामीटर तालिका और रिक्ति तालिका को देखना आवश्यक है। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धि–पत्र समय/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय पर केवल आरआरबी की उपरोक्त वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।

संख्या: RRB/All/Advt./CEN04/2024(Paramedical)
दिनांक: 12.08.2024
अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

हिंडौन में साढ़े चार इंच बारिश, जनजीवन प्रभावित

हिंडौन सिटी, (निसं)। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में रविवार को दूसरे दिन साढ़े चार इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे शहर में बाढ़ की हालात बने हुए हैं तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र के रास्ते अवरूद्ध हो गए हैं। हालांकि इस समस्या को लेकर देरी से हरकत में आए प्रशासन के अधिकारियों ने नाव में बैठकर शहर के जलमग्न इलाकों का दौरा किया।

जानकारी के अनुसार गत एक सप्ताह से अधिक समय से क्षेत्र में मानसून मेहरबान हैं। जिसके चलते गत दिवस की सबसे ज्यादा 4 इंच बारिश दर्ज हुई, जिससे घरों व दुकानों में पानी भरने से लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बाजार में सड़कों पर 4 से 5 फीट पानी भरा होने से दुकानों तक पहुंचने में समस्याएं आ रही है। शनिवार को दोपहर 12 बजे तक 99 एमएम बारिश से शहर में जलभराव हुआ। फुलवाड़ा के बांध का पूरा में तालाब का ओवरफ्लो होकर जाट के तालाब तक पहुंचे पानी ने शहर में आफत मचा दी।

नगर परिषद के कनिष्ठ अभियंता राजीव धाकड़ ने बताया कि रविवार को जल निकासी व पहाड़ी क्षेत्रों से सपाट व अन्य मार्गों से शहर में प्रवेश कर वर्षा के पानी को रोकने व अन्य राहत के लिए सीताबाड़ी, खटीक पाडा की पुलिया, करौली रोड पर अलग अलग टीम भेजी गई है। जेसीबी के माध्यम से खारी नाले में रुकावट को हटाया जा रहा है। वहीं जलभराव क्षेत्र में फंसे लोगों के आवास के लिए आश्रय स्थलों में व भोजन के लिए अन्नपूर्णा रसोई में व्यवस्था की गई है। एसडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई है। एसडीआरएफ टीम की मदद से नाव में सवार होकर संभागीय आयुक्त सांवर मल वर्मा, आईजी राहुल प्रकाश व एसडीएम ने जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

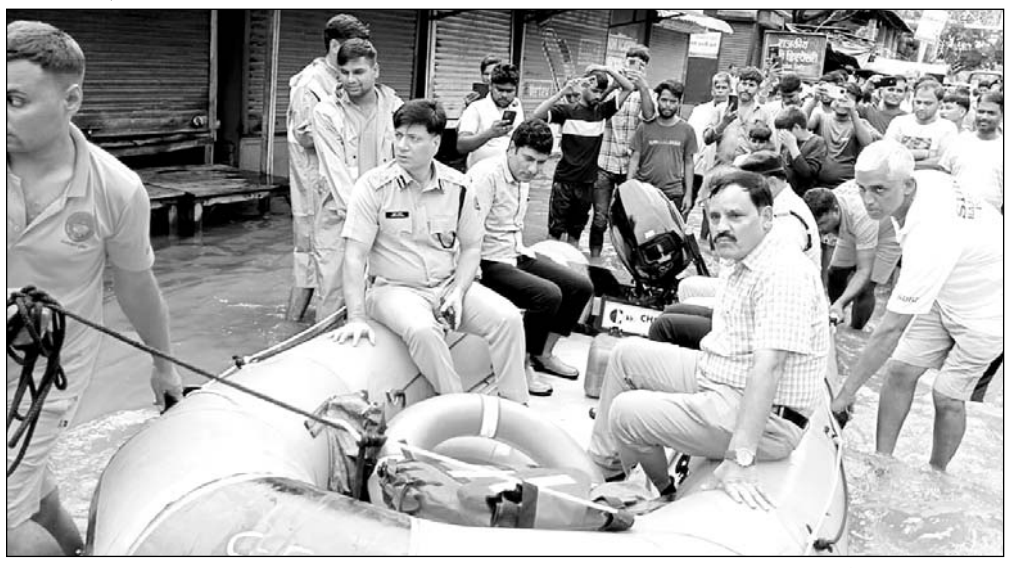

एसडीआरएफ टीम की मदद से नाव में सवार होकर संभागीय आयुक्त, आईजी व एसडीएम ने दौरा किया।

- कॉलोनियों और बाजार में पांच फीट तक भरा पानी, रेस्क्यू टीमें नांव के साथ राहत कार्य में जुटी
- फुलवाड़ा के बांध का पूरा में तालाब का ओवरफ्लो होकर जाट के तालाब तक पहुंचे पानी ने शहर में आफत मचा दी